TECHE UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4446**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

श्रीगु
१

॥र्द०॥जंबूद्वीपनो विचार किंचित मात्र कहीये छे॥जंबूद्वीप लांबो पहोलो एक लाख॥जोयननो छे॥थालीने आकारे छे॥पूरा चंद्र
माने आकारे छे॥तेहनी परिधि ३ लाख १६ हजार २ सें २७ जोजन तीन कोस १२८ धनुष १३॥आंगुल झाझेरी छे॥जंबूद्वीप॥१० द्वारे
करी वखाणीये छे॥गाथा॥खंडा १ जोयण २ वासा ३ पव्वय ४ कूडा य ५ तित्थ ६ सेढीय ७ विजय ८ द्दह ९ सलिला ओ १० पिंड
होइ संगहणी॥ए वड्ढी॥गाथा १० द्वार छे॥ते प्रथम द्वार कहीये छे॥खंडा केहेतां जंबूद्वीपना भरतक्षेत्र सरीखा १९० खंड
थाइ ते किम॥भरतक्षेत्रनो १ खंड॥चूलहेमवंत पर्वतना २ खंड॥हेमवंत क्षेत्रना ४ खंड॥महाहेमवंत पर्वतना ८ खंड॥हरीवा
स क्षेत्रना १६ खंड॥निषध पर्वतना ३२॥महाविदेह क्षेत्रना ६४ खंड॥नीलवंत पर्वतना ३२ खंड॥रम्यगवास क्षेत्रना १६
खंड॥रूपी पर्वतना ८ खंड॥एरणवय क्षेत्रना ४ खंड॥सिखरी पर्वतना २ खंड॥एरवत क्षेत्रना १ खंड॥एवं सर्व १९० खंड थया
॥इति प्रथम द्वार संपूर्ण॥जोयण केहेतां जंबूद्वीपना जोजन २ जेतला खंड करीये तो ७०० कोडि ९० कोडि ५६ लाख ९४ ह
जार १५० से जोजन प्रमाण थया॥पउणा दोय कोस १५॥धनुष १२॥आंगुल झाझेरा॥एतलो क्षेत्र वधे छे॥इति द्वितीय द्वार संपूर्ण २॥
वासा केहेतां जंबूद्वीपने विषे ७ क्षेत्र तथा १० क्षेत्र छे॥ते भरत १ एरवत २ हेमवय ३ एरणवय ४ हरीवास ५ रम्यगवास ६ म
हाविदेह ७ एवं क्षेत्र थया॥अने १० क्षेत्र लखवा ये तो पूर्व महाविदेह ८ पश्चिम महाविदेह ९ देवकुरु ९ उत्तरकुरु १० एवं
१० क्षेत्र थया॥तेहनो विषंभपणो १ बाहा २ जीवा ३ धनुषपीठ ४ कहा छे॥भरतक्षेत्रना बे खंड॥दक्षिण भरत १ उत्तरभर
त २ दक्षिण भरतनो विषंभपणो २३८ जोजन ३ कला॥तेहनी बाहा नथी॥तेहनी जीवा ९६७८ से जो १२ कला॥तेहनो धनु
षपीठ ९७६६ जो १ कला झाझे॥उत्तर भरतनो विषंभपणो २३८ जो ३ कला॥तेहनी बाहा १८९२ जो ७॥कला तेह
नी जीवा १४४७१ जो ६ कला झाझेरी॥तेहनो धनुषपीठ १४५२८ जो ११ कला॥हेमवंत॥एरणवंत क्षेत्रनो विषंभपणो २१
०५ जो ५ कला॥बाहा ६७५५ जो ३ कला॥तेहनी जीवा ३७६७४ जो १६ कला झाझेरी॥तेहनो धनुषपीठ ३८७४० १
जो १० कला॥हरीवास॥रम्यगवास॥तेहनो विषंभपणो ८४२१ जो १ कला॥तेहनी बाहा १३३६१ जो ६॥क
ला॥तेहनी जीवा ७३९०१ जो १७॥कला॥तेहनो धनुषपीठ ८४०१६ जो ४ कला॥महाविदेह क्षेत्रनो विषंभपणो ३३ 1
६८४ जो ४ कला॥तेहनी बाहा ३३७६७ जो ७ कला॥तेहनी जीवा १ लाख जोजन॥तेहनो धनुषपीठ १ लाख ५८११३ से १६

सं'जो

जो १८॥कलाझाझेरी॥देवकुरु॥उतरकुरु॥विसपणो ११ह८सो४२जो२कला॥बाहा नथी॥तेहनी जीवा ५३००० जो तेहनाध
नुषपीठ ६०ह४ सो १८ जो १२ कला॥३॥इति लीजो द्वार समाप्तं॥पर्वत कहे छे॥जंबूद्वीपने विषे २६९ पर्वत छे ते किम ६ वर्षध लो३६जो
र पर्वत १ मेरु १ चित्र विचित्र २ जमग २०० किंचनगिरी ४ गजदंता १६ वषारा ३४ लांबा वेताड ४ वाटला वेताड॥एवं सर्व २६ जनऊचो
९ पर्वत थया॥ते ऊंचा॥नीचा॥विसपणो॥बाहा॥जीवा॥धनुषपीठ॥कहीइ छे॥चूलहेमवंत १ सिखरी २ ए पर्वत १००
सो जोजन ऊंचा २५ जो धरती मांहे ऊंडा॥तेहनो विसपणो १ हजार ५२ जो १२ कला॥तेहनी बाहा ५ह३सो ५० जो १५॥क
ला॥तेहनी जीवा २४ह९सो ३२ जो॥आधी कला मांहे ओछी॥तेहना धनुषपीठ २५२३० जो ४ कला॥महाहेमवंत रूपी २ पर्वत २००
जो॥ऊंचा ५० जो॥धरती मांहे ऊंडा॥तेहनो विसपणो ४२१० जो १० कला॥तेहनी बाहा ९ह२सो ७६ जो ९॥कला॥तेहनी जीवा
५३ह९सो ३१ जो ६ कला झाझेरी॥तेहना धनुषपीठ ५७ह९३ जो १० कला॥निषध १ नीलवंत १ ए २ पर्वत ४०० जो॥ऊंचा १०० जो धरती
मांहे ऊंडा॥तेहनो विसपणो १६ह८४२ जो २ कला॥तेहनी बाहा २०१६५ जो २॥कला॥तेहनी जीवा ९४ह१सो ५६ जो २
कला॥तेह धनुषपीठ १ लाख २४ह३ छे ४६ जो ९ कला॥मेरुपर्वत १ लाख जोजननो छे १००० जोजन धरती मांहे छे॥तेहनो विगत
२५० जो॥पृथ्वी मांहि दीठे २५० सो जो॥सोनापृथ्वी दीठे २५० वज्रहीरा मांहि दीठे २५० जो कठिणपृथ्वी मांहि दीठे॥एवं १ हजा
र जोजननो मेल ९९ हजार जो॥मेरु ऊंचो छे॥तेहनो विवरो १५७५० जो॥फटिकरतन मांहि दीठे १५७५० जो॥आंकरत्न मांहि दीठे॥
१५७५० कें जो॥रूपरत्न मांहि दीठे १५७५० जो॥पीला सोना मांहि दीठे ३६ हजार जंबूनद सोना मांहि छे॥एवं १ लाख जोजननो मेल
॥मेरुपर्वत १० हजार ९० जोजन १ जोजनना ११ भाग कराइ॥तेहवा १० भाग धरतीने मूले पहुलो छे ११ हजार जोजन धर
तीसमा भूमें पहुलो॥लांबो छे॥धरतीथकी ११ हजार जोजन ऊंचा जाइये तिहां ९ हजार जोजननो॥लांबो पहुलो छे इम॥
११ हजारे॥एकेक हजार घटाडीये॥सिखरे एक १ हजार जोजननो लांबो पहुलो छे॥तेहनी॥त्रिगुणी झाझेरा परिधि छे॥च्यार
वन छे॥तेह भालवन १ नंदनवन २ सोमनसवन ३ पंडगवन ४ ते सहसावन॥धरती ऊपरें॥पूर्व पश्चिमनें २२ बावीस २
हजार जोजननो॥लांबो छे २५० जो॥उत्तर दक्षिण पहुलो॥तेह एक पदमवर वेदका॥एकेकें वनषंडे सगले॥चोफेर वीटा छे मेरु
पर्वतथकी॥पचास पचास जोजन जाइये॥तिहां एक सिद्धायतन छे॥पचास जोजन लांबो २५ जोजन पहुलो॥अनेक थांभा छे
ते सिद्धायतनने॥तीन बारणा छे॥पूर्व दक्षिण उत्तरकोना॥ते द्वार ८ जो॥ऊंचा ४ जो॥पहुला॥ते घणु देस ट्रस गंस॥एक मणिनी
पीठिका छे ८ जो॥लांबी पहुली ४ जो॥जाडपणा॥सर्वरत्नमे छे॥तेउपरे एक देवछंदो कह्यो ८ जो॥लांबो पहुलो ८ जो॥जोजन ऊ २

क्ष.मा.क्षु. जे रीउचो॥ तिहां जिनप्रतिमा नो वर्णव॥ देववंदने जावधूपनाकूरूजाछे॥ एकेकद्रहे तिम च्यार दिसि च्यार जा वावा ४ सिध
२ यतनछे॥ मेरूपर्वतसु ५० जोजन॥ इसानकूणमें ४ वावडीछे॥ मेरूसु ५० जोजन॥ अग्निकूणमें ४ वावडीछे॥ मेरूसु ५०
जो॥ निरतकूणमें ४ वावडीछे॥ मेरूसु ५० जो॥ वायवकूणमे ४ वावडीछे॥ तेइ सालवनमें १६ वावडीछे॥ मेरूपदमा १ प
दमप्रभा २ कूमदा ३ कूमदाप्रभा ४ ते वावडी ५० जोजनलांबा २५ जोजनपहोला १० जोजनउंडा॥ च्यार दिसे तोरणसहि
तछे॥ ते वावडीमध्ये २ सक्रइंद्रना २ इसानइंद्रना मेहलछे ४॥ पंचसे जोजन उंचा २५० जोजन पहोला॥ उचोसिखरजा
णवो॥ तेइ सालवनमें ८ कूटछे॥ तेइ सालवनथकी ५०० जो॥ जाइये उंचा॥ जठे नंदनवन आवे ५०० जो॥ चक्रवाल विष
नयणे॥ वलायाने आकारछे॥ जे मेरूपर्वतने ढकडोछे॥ जठे घणा देवता॥ देवंगना॥ रमे मे खेलेछे ४ सिधायतन १६ वा
वडी ४ मेलपूर्वलीपरे ९ कूटछे॥ नंदनवनथकी॥ साढाबासठिहजार॥ जोजन उंचा जाइये॥ तठे सोमनसवन ५०० जो
चक्रवाल॥ विस्खेरपणे॥ वाटलो॥ वालायाने आकारछे॥ मेरूनवीटीरह्योछे ४ सिधायतन १६ वावडी ४ मेल सक्रइंद्र इसा॥ इ
सानइंद्रना॥ तेइ सासवनन्यपरेजाणवा॥ सोमनसवनथकी ३६ हजारजोजन उंचा जाइये॥ मेरूने सिखर पंडगवनपा
वे ४९४ जो॥ चक्रवाल॥ विसतपणे॥ वाटलो वाट्यालीने आकारछे॥ मेरूनी चुलकाने वीटी रह्योछे॥ पंडगवन विचे १
एक चुलका कहाते ४० जोजननी उंचा १२ जो मुले पहोला ८ जो॥ विचे पहोली ४ जो॥ मथारे पहोली॥ गायनापुछने आकार
छे॥ सर्ववैडूरजरत्नमेछेमेछे॥ एकंपद मवदेहकाछे॥ उपर घणो सामारमेणिक॥ सुमसागेछे॥ तेचुलकाउपर १ एक
सिधायतनछे १ कोस लांबो॥ अर्धकोसपहोलो॥ देसउणो कोस उंचो॥ अनेकथांसा॥ जावधुपनाकुडछे ४ सिधायतन १६
वावडी ४ मेलपूर्वलीपरे॥ च्यार अतिपकसिला पंडगवनमेछे॥ पंडुसिला १ पंडुकंबलसिला २ रतुसिला ३ रतुकं
बलसिला ४ पूर्व १ दखिण २ पछिम ३ उतर ४ सिला अर्धचंद्रमाने आकारछे॥ पूर्व पछिमनीसीला॥ उतर दखिण ५००
जो लांबी॥ पूर्व पछिम कांना २५० जोजनपहोली॥ उतरदखिणनीसीला॥ पूर्व पछिम कांना ५०० जो लांबी॥ उतर दखिणक
ना २५० जो पहोला ४ सासा ४ जो जाडी॥ सर्व कनकमेछे॥ च्यार दिसे तीन २ से पावडीयाछे ६ सीघासणछे २ पूर्व कांना २ पछि
मकांना १ उतरकांना १ दखिणकांना ५०० धनुषलांबा पोहलाछे २५० धनुष उंचा॥ जठे तिर्थंकरने॥ जन्ममहोछव करावेछे॥ जंबुध
पमे॥ जघन २ तीर्थंकरनो महोछव उत्कृष्टो ४ तीर्थंकरने महोछव करावे॥ मेरूना १६ नामछे॥ मंदर १ मेरू २ मनोरम ३ सुदर्स
न ४ सयंप्रभ ५ गिरिराज ६ रत्नोचय ७ तिलापम ८ मध्य ९ लोकनाभि १० स्वछ ११ सुर्यावर्त १२ सूर्यावरणसाम १३ उतम १४ दिसा २

दि १५ अवतंस सोलमो नाम १६ कह्या॥ चित्त १ विचित्त २ पर्वत देवकुरक्षेत्र मांहे॥ निषढपर्वतथकी॥ उतरकांना ८३४ जो
जनने ४ जोजनना साततीयाभाग काजे तेहवा ४ गरो जाइये॥ तिहां सीतोदा॥ नदीने कांठे २ जमगपर्वत॥ ते उतरकुरक्षे
त्र मांहेछे॥ नीलवंतपर्वतथकी ८३४ जो जनने ४ जो जननासाततीया ४ भाग दिकूणदिसे जाइये॥ तिहां सीतानदी कांठे
२ जमगपर्वत॥ ते चित्त १ विचित्त २ बे जमग २ ए ४ पर्वत १००० जो॥ उंचा २५० जो धरतीमाहि उंडाछे १००० जो मुलेप
हुला ७५० जो॥ विचे पहुला ५०० जो॥ उपरे पहुलाछे॥ त्रिगुणा झाझेरा परिधछे २०० कंचनगिरीपर्वत॥ ते सीता सी
तोदानदीने विचे पंच २ द्रहछे॥ ते एक २ द्रहने पासे वीस २ कंचनगिरी पर्वतछे॥ एरसइद्रहने २०० कंचनगिरी थया
ते १०० जो॥ उंचा २५ जो धरतीमाहि उंडाछे १०० जो मूले पहुला ७५ जो॥ विचे पहुला ५० जो॥ उपरे पहुला॥ त्रिगुणा झाझेरा
परिधछे ४ गजदंता॥ गंधमादनगजदंतो १ मालवंत २ विजुप्रभ ३ सोमनस ४ ए निषढ नीलवंतथकी॥ नीकल्या मेरूनज
ईने आवा अडक्याछे ३०२०९ कला एतला लांबाछे॥ निषढ नीलवंतथकी॥ नीकलता ४०० जो॥ उंचा १०० जो धरतीमाहि
उंडा ५०० जो पहुलाछे॥ मेरूने पासे गयाजठे ५०० जो उंचा १२५ जो॥ धरतीमाहि उंडा॥ आगुलने असंख्यातमे भागे पहु
ला॥ हस्तीनादंतने आकारछे १६ वषारापर्वत॥ चित्त १ ब्रह्म २ नलिण ३ एगसेल ४ त्रिकूट ५ वैसमण ६ अंजण ७ मायंजण ८
अंकावइ ९ पम्हावइ १० आसीविस ११ सुहावह १२ चंदे १३ सूरे १४ नाग १५ देव १६ ए सोलेपर्वत १६५९२ जो २ कला एतला लांबा
छे ४०० जो॥ पहुलाछे॥ निषढ नीलवंतथकी॥ नीकलता ४०० जो॥ उंचा १०० जो धरतीमाहि उंडा॥ छेहडे सीतासीतोदा
ने पास ५०० जो उंचा १२५ जो॥ धरतीमाहि उंडा॥ ए वषारापर्वत घोडाना षांधने आकारछे ३४ लांबा वेताढछे॥ ते माहि
१ भरतनो वेताढ १ एरवतनो वेताढ ए २ पर्वत २५ जो उंचा॥ सवा छजोजन धरतीमाहि उंडा ५० जो पहुला॥ तेहनी बाहा
४८८ जो १६॥ कलाझाझेरी॥ तेहनी जीवा १०७२० जो १२ कला तेहनी धनुषपीठ १०७४३ जो १५ कला॥ गुफा॥ तमसगुफा २ षंडपगु
फा २ ते ५० जो लांबा १२ जो पहुली ८ जो॥ उंचीछे॥ ते माहि २ नदीछे॥ तेहनानाम॥ उमगजला १ निमगजला २ ते गुफामाहे २१ जो॥
जाइये तिहां उमगजलानदी॥ ते तीन जोजनना पाट मेछे॥ ते माहे हाथी घोडा॥ बलद॥ मनुष्य कोक लेवर॥ कचरो पडे
ते॥ तीन विरियां॥ तमाडीने उछाले॥ नांखे॥ ते कारण॥ उमगजला कहीजे॥ तिहांथी २ जो॥ आघा जाइये॥ तिहां निमगज
लानदीछे॥ ते तीन जोजनने पाटमेछे॥ ते माहि हाथी घोडा मनुष्य बलदनो कलेवर॥ अनेरो इ॥ पुदगलपडे ते॥ तानवि
रिया॥ तमाडीने॥ हेठे बेसाडे॥ ते कारण॥ निमगजला कहीजे॥ सेष ३२ दीर्घ वेताढ॥ ते महाविदेहक्षेत्र मांहिछे २५ जो॥ 3

षमाजुप
३

ऊचा ॥ सवा छे ॥ जो नन धरती मे छे ५० जो ॥ पहुला ॥ वाहाजावा धनुषपाठ नथा ॥ पलंग ने आर छे ॥ गधावई १ सदावई २ वेय
डवई ३ मालवंत ४ च्यार वाटला वैताढ छे ते १००० जो ॥ ऊचा २५० जो ॥ धरती माहि ऊंडा ॥ मूले विचे ऊपरे १००० जो ॥ लांबा
पहुला छे ॥ त्रिगुणा जाझा परिध छे ॥ एवं सर्व २६७ पर्वत ॥ इति पर्वत द्वार समाप्त ॥ ४ ॥ कूट कहे छे तां ॥ जंबूद्वीप माहे ४६
७ कूट छे ॥ ते किम ३४ दीर्घ वैताढ १ निषध १ निलवंत १ मेरु पर्वत विद्युत्प्रभ १ मालवंत ॥ एवं ३७ पर्वतां ऊपरे ॥ नवनव कूट
छे ॥ एवं ३५१ थया ॥ चुल हेमवंत ॥ सिषरी एबेक पर्वत ऊपरे इग्यारे ११ कूट छे ॥ एवं २२ थया ॥ महाहेमवंत ॥ रुप्पी एबिहु पर्वत ऊ
परे आठ २ कूट छे १६ वषारा पर्वत ऊपरे ॥ ४ ॥ च्यार २ कूट छे ॥ सोमनस गजदंतो ॥ गंधमहागंध गजदंतो ॥ २ ते ऊपरे सात २
कूट छे ॥ एवं २६७ पर्वत सगलाइ मिलाने ४६७ कूट थया ॥ इति कूटाख्य द्वार समाप्तं ॥ ५ ॥ तिथि कहे छे तां ॥ जंबूद्वीप माहि १०२ तीर्थ
छे ते किम ॥ एकेके विजे ने विषे तीन ३ तीर्थ छे तेहना ॥ नाम ॥ मागध १ वरदाम २ प्रभास ३ एवं ३४ विजेके रिने १०२ तीर्थ थय
॥ इति तिथि द्वार समाप्तं ॥ ६ ॥ सेढिय कहितां ॥ जंबूद्वीप माहि १३६ श्रेणी छे ते किम ॥ एक एक वैताढे २ च्यार २ श्रेणी छे ते १० जो ऊचा जाइ
ये ॥ तिहां दोय २ विद्याधर ना श्रेणी छे ॥ भरत क्षेत्र ना ॥ वैताड ऊपरे ६० नगर उतरकांना ५० नगर दक्षिणकांना छे ॥ एरवत
ना वैताढ ऊपरे ६० नगर दक्षिण कांनी ५० नगर उतरकांनी ॥ महाविदेह क्षेत्र ना वैताड ऊपरे ५५ उतरकांनी नगर
छे ५५ दक्षिणकांनी नगर छे ॥ सगलाइ ३७४० थया ॥ दस जोजन ऊचा जाइ थै ॥ तिहां दोय २ आभोगिया देवनी ॥ श्रेणी छे ॥ एवं
२ श्रेणी पेली कांनी २ श्रेणी उलाकांनी ॥ इम ३४ वैताढ करीने १३६ श्रेणी छे ॥ इति सेढीय द्वार समाप्तं ॥ ७ ॥ विजय कहे तां ॥ जं
बूद्वीप माहि ३४ विजय छे ॥ तेहना ॥ नाम कहे छे ॥ कछ १ सुकछ २ महाकछ ३ कछावइ ४ आवत ५ मंगलावइ ६ पुषल ७ पुषल
वइ ८ वछ ९ सुवछ १० महावछ ११ वछवइ १२ [illegible] सेष १४ निलिणी १४ कुमे १५ निलिणावइ १६ पुम १७ सुपुम १८ महापुम १९ पुमावइ
२० रमण २१ रमण २२ रमणि २३ रमणिजे २३ मंगलावइ २४ वुप २५ सुवप २५ महावप २६ वपावइ २७ वग २८ सुवग २९ गंध
ल ३० गंधलावइ ३२ एवं बत्तीस विजे ॥ महाविदेह क्षेत्र माहे छे ॥ ते सगला विजे १६८५ से ७२ जो २ कला लांबा छे २२१२ जो ॥ पहुला छे ३४
विजे ३४ नगरी ३४ तिमसगुफा ३४ षंडप्रवाहा गुफा ३४ कृतमाला देवता ३४ नटमाला देवता ३४ ऋषभकूट ॥ एतला सासता छे
ता छे ॥ इति विजै द्वार समाप्तं ॥ ८ ॥ द्रह छे ॥ तेहना नाम ॥ पदमद्रह १ महापदमद्रह २ तिगछद्रह ३ केसरीद्रह ४ पुंडरीकद्रह ५ म
हापुंडरीकद्रह ६ पांच देवकुरु में विषे छे ॥ तेहना नाम ॥ निषधद्रह १ देवकुरुद्रह २ सुरद्रह ३ सुलसद्रह ४ विद्युत्प्रभद्रह ५
पांच उतरकुरु ने विषे ॥ तेहना नाम ॥ नीलवंतद्रह १ उतरकुरुद्रह २ चंद्रद्रह ३ एरावणद्रह ४ मालवंतपरिगद्रह ५ दस ३

तो छै द्रहज ॥ एक पदमद्रह ॥ एक पुंडरीकद्रह १२ छै द्रह १००० जो ॥ लांबा ५०० पहुला १० जो ऊचा १२ द्रह मे ॥ कमल ॥ वरणवसरा
णो ॥ जांणवो ॥ पदमद्रहनो वरणव कहे छे ॥ ते मांहे ॥ केतला कंवल छे १ कोडि २० लाष ५० हजार १२० कवल छे ॥ सगलाई रत्नमे
छे १ कवल श्रीदेवी नो छे १०८ कवल श्रीदेवीना संमारीना छे ४ कवल महतरकांना छे ७ कवल अणीकानां छे ॥ एवं १२० आवा ४०००
सामानीक देवतांनां छे १६००० आतमरष देवतांना ८००० माला परषदाना १०००० विचला परषदाना १२००० बाहरला परषदा
ना ॥ तीन परषदा कही ॥ तीन मोटा कोट ॥ माहलो कोट ३२ लाष कवल ॥ विचले कोट ४० लाष कवल बाहरले कोट ४८ लाष कवल
एवं सर्व १२०५०१२० एतला कवल थया ॥ वडो कवल ते ॥ जो ॥ लांबो पहुलो ॥ आधो जो ॥ जाडो १० जो ॥ पाणी माहि ऊंडो २ कोस पाणी
थकी ऊचो १० जोजन जाडेरो सर्वरत्नमय रूप्यो ॥ ते कवलनो ॥ वज्ररत्नमे मूल छे ॥ रिष्टरत्नमे कंद छे ॥ वैडूर्यरत्नमे नाल छे ॥ वे
डूर्यरत्नमे ॥ बाहिरला पानडा छे ॥ जंबूनदमय माहिला पानडा ॥ तवणिजमो नामे ॥ केसरा छे ॥ नाना प्रकार नाम णिमय ॥ जे ऊर
ला पांनडा ॥ सोनानी करणका छे ॥ दोय कोस नि करणका लांबी पहुली छे १ एक कोस ना उपरो ॥ ते ऊपरे घणुरमणीक छे ॥ घणु
मध्यदेसस्था मे ॥ श्रीदेवीनो घर छे ॥ एक कोस लांबो ॥ अर्द्ध कोस पहुलो ॥ देस ऊणो कोस ऊचो ॥ अनेक थांभा छे ॥ मेन प्रछनकारा ॥ जो वा
जोग छे ॥ तेहवन ने ॥ तिन बारणा ॥ पुर्व ॥ दक्षिण ॥ उतरकांनी ॥ ते बारणा ५०० धनुष ऊचा २५० धनुष पहुला ते सवन में ॥ एक मणिपि
ढिका छे ५०० धनुष लांबा पहुला छे २५० धनुष ऊचा ॥ ते मणिपिढका ऊपरि एक ॥ महापदमद्रह १ महापुंडरीक द्रह २ छे १ एक एक द्र
हदीय २ हजार जोजन ॥ लांबा १००० जो ॥ पहुला १० जो ऊंडा छे महापदमद्रह ॥ ह्री देवी ॥ महापुंडरीकद्रह ॥ बुधी देवी ॥ कंवल ॥ आदेवा
ना ॥ जितला ॥ एक एक द्रह मे छे ॥ मांन पाणी ऊपरलो ॥ ते वला ॥ बिमणो ॥ जांणवा ॥ ते कवल २ जो ॥ लांबो ने पहुला १ जो ॥ ऊमा ॥ तिगछद्र
ह ॥ धितदेवी रहे १ केसरीद्रह ॥ कितीदेवी रहे छै द्रह ४००० जो ॥ लां पहुला २० जो ऊंडा ॥ एकंवल ४ जो ॥ लांबा पहुला जो ॥ जाडा ॥ कंवल
आदेवीनां परे जांणवा ॥ जंबूद्वीप मे सासता कंवल १७ कोड २८ लाष १०८ ऐसे २० एतला थया ॥ पांच द्रह देवकुरु मे ॥ पांच द्रह उत
रकुरु मइ ॥ धरता ऊपरे छे ॥ जठे द्रह ने नामे देवता वसे छे ॥ एक पलनो आऊषो छे ॥ तेहना विगत ॥ पदमद्रह ॥ चूलहेमवंत पर्वत
ऊपरे जठै श्रीदेवीनो वासो ॥ महापदमद्रह ॥ महाहेमवंत पर्वत ऊपरे ॥ जठे हरीदेवीनो वासो ॥ तिगछद्रह ॥ निषध पर्वत ऊप
रे ॥ जठे ध्रिती देवीनो वासो ॥ केसरीद्रह ॥ निलवंत पर्वत ॥ जठे बुधी देवीनो वासो ॥ पुंडरीकद्रह ॥ सिषरी पर्वत ऊपरे ॥ जठे लछी दे
वीनो सो वो ॥ ए ऊंड देवीनो एक पलरो आऊषो ॥ इति द्रह द्वार समाप्तं ॥ ९ ॥ सलीला ऊकहतां ॥ जंबूद्वीप मांहि १४५६०७० ते प 4

समकु ४

दमद्रहनैं पुर्वदिसेनैं तोरणें गंगानाकली ५०० जो पुर्वसांमा गई जहें गंगावर्तनिकुट छे तिहां आफलती हणांणाथका दिष
ण दिस वांकीवली ५२३ जो २ कला दिण बे दिस पर्वत उपरें गई जहें मोटा घडानामुख मांहथी पांणीनाईये तिम मोतीनाहा
रने संसथांन आकारें कांई एक अधिका सो जोजन प्रमांणें पांणी पडे छें एक परनाली जाली छे अर्ध जोजन लांबी ते परना
ली सवा छ जोजन पहुली ते परनाली अर्धकोस जाडी छे गंगानी परनाली मगरना मुख विकस्व तेहनें संसथांन छे सर्व व
जरमें छे आगोतेजवंत तिण मांसुं पांणी पडे छे तिहां मोटो एक गंगाप्रपातकुंड छे ते कुंड ६० जो लांबो पहुलो १० जो उंडो
ते कुंडनां रूपामें उपकंठ पालि छे वजरमय पाषांण सुषेमां हिउतराये नाना मणिरत्नमें करी बांध्यो कांठे वजरमें तली
सुवर्णनी मध्य रूपानी मणिनी वेलु छे संसार सीतल जल डांकी पानछे कंवलनें पाणी छे घणा उतपल कंवल छे कुमुदनलि
ण पुंडरीक सतपत्र सहस्रपत्र घणा कंवल छे गंगाकुंडनें तिन सें तिन सें पावडा या छे पुर्व दिषण पछिम पावडानें व
रण वजरमें पाषांण तेहनें उपर लीसांग रिष्टरत्नमय वेडूर्यरत्नमय थांभा सोना रूपानां पाटीया लोहितादि रत्नमें बाली
वजरमें सांधि जडी छे मणिनां आलंबन पकडवानी पावडीयां आगलें प्रतेक २ तोरण छें ते मणिमें छे मणीमुगता फल हार करी
उसोभें छे ते गंगाप्रपातकुंडने विचें एक गंगाद्वीप नांमें द्वीप कह्यो ८ जो लांबो पहुलो १ कोस पांणीथकी उचो सर्व वज्रमें छे
१ पद्मवरवेदका एकेक वनषंड समालेवींटीयो छे गंगाद्वीपनें उपरि घणुरमणीक छे ते उपरें गंगादेवीनो घर कह्यो १ को
स लांबो अर्धकोस पोहलो देसउणो कोस उंचो अनेक थांभा ते हनो वरणव श्रीदेवीनी परें जांणवो गंगानो सास्वतो नांम छे
ते गंगाप्रपात कुंडनें बारण दिषण दिस गंगा नदीनो कुल उतरार्धभरतनें सेदतीथकी ७००० नदी साथे देहेंख मप्रप
त गुफानें वेताढ पर्वतनें सेदीनें दक्षणार्ध भरतमें आई ७००० नदीपुरतीथकी सर्व १४ हजार छे जगतीनें सदी पुर्वनें ल
वणसमुद्रमें थे ठा गंगानी परें सींधु जांणवी पिछमकांनी सलीला उकदेता जंबुधीपमांहें १४५६०७० नदी छे तेहनों विवरो गं ●
गा १ सिंधु २ रता ३ रतवई ४ मुलथी नीकली तिहां सवा छ जोजननी पोहली अर्ध गाउनी उंमी छे छेहडे ६२ जो पोहली सवा जो
उंमी छे चउदे २ हजार नदीनो परिवार जांणवो रोहिया १ रोहितंसा २ ए बे नदी हेमवय षेत्रमांहि सुवनकुला १ रुपकुला २
ए बे नदी एरणवय षेत्र मांहि छे ते ४ नदी नाकलती १२ जो पोहली १ गाउ उंमी छे छेहडे १२५ जो पोहली २ जो उंमी छे अठावीस २ ४
हजार नदीनो परिवार छे हराकंता १ हरिसलिला २ नदी हरिवास षेत्रनी नरकंता १ नारीकंता २ ए २ रमगषेत्रमें ए ४ नदी मुलथी

२५ जो पोहली २ गाउ उमी छे छेहडें २५० जो पोहली ५ जो उंमी छे छपन २ हजार नदीनो परिवार छें सीता १ सीतोदा २ ए २
नदी महाविदेह षेत्रनी छें ते मुलें ५० जो पोहली १ गाउनी उंमी छें छेहडें ५०० जो पोहली छें १० जो उंमी पांच २ लाष बती
स २ हजार नदीनो परिवार छे एवं १०६४००० नदी थइ महाविदेहषेत्रना ३२ नदी गंगासिंधु छ ने वली ३२ रता रतावइ ए
वं ६४ नदी तेहनो परिवार पकलपण उमयणी सरतनां गंगानदीनां परें जांणवो १२ अंतरनदी महाविदेहषेत्रनी
तेहनां नांम गाहावई १ दाहावई २ वेगावती ३ तत्तला ४ वितत्त ५ उमत ६ षारोया ७ सायद ८ अंतोवहणी ९ उमिमालणी १० गंभी
र मालणी ११ फेणमालणी १२ सर्व अंतरनदी १६५०४२ जोय कला लांबी छें २२५ जो पोहली छे अढाइ जोजननी उंमी छे एवं
सर्व १४५६०७० नदी जांणवी इति सलीलाउद्वारस मात्तं १० इति षांमा जोयण समत्तं लीषा आरजां विजाराया मध्ये